ईकरार नामा

मैं/ हम .....।

प्रथम पक्ष

व ..... ।

द्वितीय पक्ष

मैं / हम अपने होशोहवास से प्रतिज्ञा करते और ईकरार करते है कि कृषि भूमि खेवट नं0 .....

खाता न0.....मुस्ततील न0..... किला न0 .....
.....कुल रकबा ..... कनाल..... मरले का.....
..... भाग रकबा .....कनाल ....मरले स्थित ..... तहसील व
जिला..... मलकीयत प्रथम पक्ष इन्तकाल नं0 ..... जमाबन्दी साल .....
..... अनुसार भार मुक्त मलकीयत है । जिसका सौदा बय प्रथम पक्ष ने द्वितीय पक्ष से .....
रूप्ये प्रति एकड़ की दर से किया है । जिसकी कुल कीमत ..... रूपये । (.....
.....रूपये) प्रथम पक्ष ने द्वितीय पक्ष से प्राप्त कर लिये है । इस प्रकार द्वितीय पक्ष से कुछ भी लेना बाकी ना रहा है । कब्जा मौका पर प्रथम पक्ष ने द्वितीय पक्ष का असल मे करा दिया है । जिस द्वितीय पक्ष को हर प्रकार से प्रयोग मे लाने का पूर्ण अधिकार होगा । द्वितीय पक्ष जब चाहे अपने नाम या जिसके नाम चांहे रजिस्ट्री बयनामा करा सकेगा । प्रथम पक्ष को कोई आपत्ति ना होगी । शर्ते ईकरार नामा निम्न प्रकार से हैः–

यह है कि यदि प्रथम पक्ष भूमि उपरोक्त की रजिस्ट्री बयनामा द्वितीय पक्ष के हक मे नही करायेगा तो द्वितीय पक्ष को अधिकार होगा कि वह बजरिये अदालत भूमि उपरोक्त का बयनामा अपने हक चमे पंजीकृत करा लेगा । जिसके हर्जे व खर्चे का प्रथम पक्ष जिम्मेवार होगा तथा खर्चा बयनामा बजिम्में खरीदार होगा ।

यह है कि प्रथम पक्ष उपरोक्त भूमि का ईकरार नामा दूसरे के नाम भी कर सकेगा और राशि ब्याना प्राप्त कर सकेगा । प्रथम पक्ष को कोई आपत्ति ना होगी । शर्ते ईकरार नामा के पाबन्द दोनो पक्षों के वारसान व उतराधिकारी भी रहेगे । अतः यह ईकरार नामा लिख दिया है ताकि प्रमाण रहे । आज तिथि.....
.

प्रथम पक्ष द्वितीय पक्ष गवाह गवाह